

भविष्य मालिका

पेज संख्या

कुछ जरूरी बातें...

1. भविष्य मालिका कोई एक ग्रंथ नहीं है बल्कि ग्रंथों की माला है अर्थात बहुत सारे ग्रंथ है। इस पीडीएफ में जो तथ्य है वह विभिन्न मालिका ग्रंथ से है।

2. इस पीडीएफ में विभिन्न स्रोतों से भविष्य मालिका की जरूरी तथ्यों को एक साथ संजोकर रखा गया है। जिससे कि मालिका के जरूरी तथ्य एक बार मे ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंच सके।

3. अगर कहीं पर कुछ त्रुटि हुई है तो उसके लिये क्षमाप्राथि हूँ।

3. कब कौन सी घटना घटेगी यह मालिका में अंकों और ग्रह संयोग के संकेत के आधार पर बताया गया है। इसी को लोग डिकोड करने की कोशिश करते है, और बताते है कि कब कौन सी घटना घटेगी। मालिका

डिकोड करना सब के बस की बात नहीं है। जैसे की कुछ लोग बोल रहे थे अप्रैल 2023 में चीन भारत मे हमला करेगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। क्योंकि ऐसा जिसने भी कहा था उनकी डिकोडिंग गलत थी।

4. मालिका में वर्णित सभी घटनाये अवश्य ही घटित होगी। लेकिन अगर कोई कहता है कि इस दिन यह घटना घटेगी तो पूर्ण रूप से विस्वास नही करें। क्योंकि डिकोडिंग के गलत होने के चान्सेस रहते है। जैसे कुछ लोग मालिका को डिकोड कर के बोल रहे हैं कि 2023 के अंत तक भारत मे हमला हो जायेगा लेकिन हो सकता है यह गलत हो और हमला 2023 में ना होकर 2024 या फिर 2025 में हो।

मालिका और भक्त

भविष्य मालिका ग्रंथ को सभी नहीं समझेंगे , कुछ तो मज़ाक भी उड़ाएंगे। इसलिये मूर्खो से बहस नहीं करे। यह बात पंचसखा भी जानते थे। इस पर उन्होंने कुछ ऐसा लिखा है।

■ श्री चरणो थूंई बारे सत्य ऐबे करो ।

केबे न कहीबो मूर्खो जनो रो पाखोरो।।

अर्थात श्री चरणो को छू कर शपथ करो मूर्खो के आगे ये बात मत कहना क्योंकि

■ कड़ी युगो लोको बडो आंटूआ। कहीबे ऐ सबू गंजई खिया।।

कलयुग के लोग बड़े जिद्दी हैं कहेंगे ये सब गांजा पीकर लिखे हैं।

भविष्य मालिका

■ गुप्त प्रगत कोहित नोहि अचंभित लागे बानी,
चेतुआ भगत कहकु बेलोसु अच्च्छन्ति जानी।"

अर्थात मालिक की गोपनीय जानकारी को सुनने या जानने के बाद भी हर किसी के लिए पचाना या समझना संभव नहीं होगा।

■ माया अन्धकारे गुड़ी रहीथीबे अखिथाई सीजेकणा।

मनुष्य लोग माया में डूबे रहेंगे, उन्हें प्रत्येक वर्ष विभिन्न तरीकों से चेतावनी मिलती रहेगी, पर मनुष्य समाज के गर्व, अहंकार, छमता, अर्थ, सुख, शांति व दम्भ के चक्रव्यूह में फंसे होने के कारण भविष्य मालिका की वाणी उनके कानों तक नही पहुंचेगी।

आज कई तरह के संकेत मिल रहा है लेकिन लोग नहीं समझ पा रहे है। पहले कोरोना आया तो लोगों का

दिमाग कुछ समय के लिये जरूर ठिकाणे आया था लेकिन फिर लोग सब भूल गये। उसके बाद रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ जो कि अभी भी जारी है। रोज़ हज़ारो सैनिक मर रहे है। धार्मिक कटरता भी चरम पर है। देश-देश के बीच दुश्मनी काफी बढ़ गयी है। कई देशों की स्थिति तो दयनीय हो चुकी है। पहले श्रीलंका लगभग बर्बाद हो गया था फिर अब पाकिस्तान में गृह युद्ध जैसी हालत हो गयी है। मौसम चक्र भी तहस नहस हो चुका है कब बारिश होगी, कब आंधी आयेगा कब ठंड लगेगा यह सब असमय हो रहा है। फिर भी मनुष्य माया में इतने फसे है कि वे इन संकेतों को नही समझ पा रहे है।

भविष्य मालिका क्या है?

भविष्य मालिका ब्रम्हवानी है जो स्वयं निराकार प्रभु की इच्छा से पंचसखावों ने लिखी है। इसका मुख्य उद्देश्य कलयुग के अंत मे महाविनाश से पहले भक्तों को सतर्क करना है। उन्हें सही मार्ग में लाना है। क्योंकि कलयुग के प्रभाव से भक्तों में भी बुराई होंगीं। लेकिन मालिका सुनते ही वे सतर्क हो जायेंगे। जैसे कि जो मांशाहार है वह शाकाहार बन जायेंगे, जो नशा आदि करते है वे नशा करना छोड़ देंगे। और भक्ति में ध्यान देंगे। गलत मार्ग छोड़कर धर्म के मार्ग को अपनायेंगे।

वेदव्यास जी ने महाभारत होने से पहले महाभारत लिख दिया था, वाल्मीकि जी ने रामायण होने से पहले रामायण लिख दिया था। उसी तरह कली महाभारत और कलयुग के अंत के बारे में पंचसखावों ने 600 साल पहले लिख दिया है, इस ग्रन्थ को महागुप्त रखा

गया था और कलयुग के अंत मे स्वयं प्रभु की इच्छा से इसका प्रकाश हो रहा है।

मालिका के माध्यम से ही प्रभु अपने सभी भक्तों को धरावतरण के बारे में बतायेंगे। मालिका से ही सभी भक्तों को पता चल सकेगा कि प्रभु आ गये है। अब धर्मसंथापना निकट है।

मालिका को बाकी धर्मग्रंथों से तुलना करना गलत है। क्योंकि मालिका में सभी चीज़े पूरी डिटेल्स में लिखी है। जैसे विश्वयुद में कौन से देश किस देश से युद्ध करेंगे, सम्भलनगर कौन सा है,सतयुग कैसा होगा, यह खंड प्रलय कैसे होगा, और विनाश क्यों और कबतक होगा, प्रभु धर्मसंथापना कैसे करेंगे, किस देश का क्या होगा, किनको राजा बनाएंगे, परमाणु बम कहाँ गिरेगा।

ये तो बस कुछ बाते है जो कि भविष्य में होगी, इतिहास उठा कर देखे तो उसके बारे में भी कई चीजों के बारे में मालिका में वर्णन मिलता है जैसे भारत मे इस्लामिक

भविष्य मालिका

राज, अंग्रेजों का राज, महात्मा गांधी के बारे में, भारत को कैसे आजादी मिलेगी, (सियालदाह में स्थित ब्रास के इंजन के बारे में जबकि 500 साल पहले कोई सोच भी नही सकता था इसके बारे में), भारत के आखरी प्रधनमंत्री ,पूरी के आंखरी राजा, पाकिस्तान, रूस, जर्मनी, जापान आदि देशों के नाम, हीराकुड डैम के बारे में, परमाणु बम के बारे में। ऐसे बहुत सारे तथ्य है जिनके बारे में मालिका में पूरे सटीकता के साथ भविष्यवाणी कर दी गयी थी।

भविष्य मालिका की बात 100% सत्य है। यह स्वयं श्री जगन्नाथ जी की इच्छा से पंचसखाओ ने लिखा है। इसलिये इसके गलत होने का सवाल ही नहीं उठता। मालिका के सत्य होने की बात कहते हुए पंचसखाओ में श्रेष्ठ श्री अच्युतानन्द दास जी कहते है।

💥**पूर्व भानु अबा पश्चिमें जिब**

अच्युत बचन आन नोहिब ।

पर्वत शिखरे फुटिब कईं

अच्युत बचन मिथ्या नुंहइ।

ठुल सुन्यकु मु करिण आस

ठिके भणिले श्री अच्युत दास |

महापुरुष अच्युतानंद जी मलिका की पवित्रता और सच्चाई की घोषणा बज्र कंठ से करते हैं| भक्तों के मन में भक्ति और विश्वास को पुनः जागृत करते हुए कहते हैं कि सूरज पश्चिम दिशा में उदित हो सकता है, पर्वत के शिखर पर कमलपुष्प खिल सकता है किन्तु उनके द्वारा लिखी हुई वाणी असत्य नहीं होगी।

भविष्य मालिका के अनुसार आनेवाला समय महाविनाश का समय है 2020-2030। विश्व की अधिकांश आबादी नही बचेगी। इसलिये धर्म के मार्ग का अनुसरण करें। समय रहते माँस-मदिरा का सेवन करना छोड़ दे। जितना हो सके भगवान को याद करें।

भविष्य मालिका

क्योंकि जब मीन शनि योग होगा तब सब दिखने लगेगा, सोचने तक का मौका नहीं मिलेगा। क्या हो रहा है समझ मे नही आयेगा।

पंचसखा कौन थे?

सतयुग , त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलियुग, इन चार युगों में भगवान के पंचसखा इस धरती पर जन्म लेते हैं। युग के अंत में, भगवान विष्णु के धर्म संस्थापना के कार्य में, पंचसखा अपना सहयोग प्रदान करते हैं।

➡ भविष्य मालिका ग्रंथ में यह प्रमाण मिलता है कि सतयुग में पंचसखाओं का नाम था:- नारद, मार्कण्ड, गार्गव, स्वयंभू और कृपाजल।

➡ त्रेतायुग में पंचसखवों के नाम थे :- नल, नील, जामवंत, सुषेण और हनुमान।

➡ द्वापरयुग में पंचसखाओ ने दाम, सुदामा, सुबल, सुबाहु और श्रीबच्छ के रूप में जन्म लिया था।

➡ कलियुग में पंचसखाओं का नाम था:- अच्युतानंद दास, अनंत दास, यशोवंत दास, जगन्नाथ दास और बलराम दास। इस कलियुग में स्वयं निराकार जी के निर्देश से पंचसखाओं ने धरा अवतरण किया और उन्हीं के निर्देश से ही दिव्य भविष्य मालिका ग्रंथ की रचना की।

कलयुग खत्म होने का प्रमाण

वायु पुराण, ब्रह्म वैवर्त पुराण, मनु स्मृति, गर्ग संहिता, निर्णय सिन्धु, सूर्य सिद्धांत, कालज्ञानं और भविष्य मालिका जैसे प्राचीन ग्रंथो से कलियुग की सही आयु (5000 वर्ष) के सम्बन्ध में प्रमाण। अभी कलयुग का 5124 वर्ष चल रहा है।

मनु स्मृति

चत्वार्याहुः सहस्त्राणि वर्षाणां तु कृतम् युगम्। तस्य तावच्छती संध्या संध्यांशश्च तथाविधः॥

अर्थात चार हजार वर्ष के पश्चात सतयुग आता है। उस चार हजार वर्ष के परमायु तथा उसके संध्या और संध्या काल की कुल परमायु का एक दशमाँश वर्ष होता है।

सूर्य सिद्धांत एवं वायु पुराण

एतत द्वादश सहस्राणि चतुर्युगमुदाहृतम् | सत्यम् त्रेता द्वापर कलिश्चैव चतुष्टयम्॥

अर्थात सतयुग, द्वापरयुग, त्रेतायुग और कलियुग सहित चारो युगों की कुल आयु 4,32,000 वर्ष है लेकिन इन चारो युगों का भोग केवल 12,000 वर्ष है ।

निर्णय सिन्धु

चत्वार्यब्धसहस्त्राणि चत्वार्यब्धशतानि च। कलेर्यदा गमिष्यन्ति तदा पूर्व युगाश्रितम्॥

अर्थात 4,000 सालों के बाद संध्या समय 400 वर्ष , फिर उसके बाद के युग प्रारंभ का संध्या समय के 400 वर्ष को मिला कर, कलियुग को कुल 4800 वर्ष भोग होगा।

गर्ग संहिता

अब्दाश्चतुः सहस्राणि कलौ चतुः शतानि च । गते गिरिवरे हि श्रीनाथः प्रादुर्भविष्यति ॥

भविष्य मालिका

अर्थात कलियुग के 4000 वर्ष भोग होने के बाद, इसके संध्या समय के 400 वर्ष बाद, भगवान महाविष्णु (श्रीनाथ) धरती पर अवतार लेंगे और पाप के भार का अंत करेंगे।

ब्रह्म वैवर्त पुराण

श्री भगवान् उवाच कलेह पञ्चसहस्राणि वर्षानी तिष्ठा भूतले पापानि पापिनो यानी तुभ्यं दस्यन्ति स्नानातः | मद्भाक्त्काशुन्य पृथ्वी कलिग्रस्त भविष्यति एतस्मिन्नन्तरे तत्र क्रिश्नादेहद्विनिर्गतः ।

अर्थात श्री भगवान् माता गंगा को कहते है की 5,000 वर्ष तक कलियुग पापमय रहेगा और पापी तुम्हारे अन्दर स्नान करके अपने पाप धोयेंगे| मेरे भक्तो से रहित पृथ्वी कलि के प्रभाव से पृथ्वी कांपेगी| ऐसा कहके श्री कृष्ण ने देहत्याग कर दिया।

भविष्य मालिका

"चारि लक्ष जे बतिश सहस्त्र, कलियुग र अटइ आयुष| पाप भारा रे कलि तुटिजिब, पांच सस्त्र कलि भोग होइब।।" -भक्त चेतावनी - अच्युतानंद दास

अर्थात कलियुग का संपूर्ण भोगा समय 4,32,000 वर्ष है। परंतु पाप के भार से युग का क्षय हो कर मात्र 5,000 वर्ष भोग होगा।

"ठिकणा अमर पुर, ठाकुर तहीं रु हेबे बाहार, रामचन्द्र रे, ठारि पांच सहस्र कु धर, रामचन्द्र रे|" - भविष्यत् चौतिसा - अच्युतानंद दास

अर्थात नीलांचल धाम आदि वैकुण्ठ धाम श्रीजगन्नाथ धाम पुरी से ही भगवान श्री जगन्नाथ जी मनुष्य रूप में कल्कि अवतार धारण करेंगे और उसी समय कलियुग को 5,000 वर्ष भोग हुआ होगा।

भविष्य मालिका

"ठिकणा अच्युत कले, ‘ठ‘ तिनी बामे पांच रखिले रामचन्द्र हे। ठकि जिब मिन शनी भले रामचन्द्र हे।।" - भविष्य मालिका - अच्युतानंद दास

अर्थात ‘ठ’ (उड़िया भाषा में ‘0’) तीन बार लिख कर उसके बाएं तरफ पांच (5) लिखने से जितना होगा अर्थ कलियुग के 5,000 वर्ष भोग होने के बाद जब मीन राशि में शनि प्रवेश करेंगे (सन् 2025 को समझाया गया है) उस समय मनुष्य समाज को भयानक विपदाओं का सामना करना पड़ेगा और उसी समय ही भक्त वृंद मालिका ग्रंथ का अनुशरण करेंगे और उसको समझ पायेंगे।

"एबे पांच ठिक कहिबा शुण, बारंग बिचारे चित्त रे घेन। पांच सहस्र जेतेबेले हेब, संपूर्ण लीला प्रकाश होइब" - महागुप्त पद्मकल्प -शिशु अनंत दास

अर्थात महापुरुष शिशु अनंत दास अपने शिष्य बारंग से कह रहे है कलियुग 5,000 वर्ष में संपूर्ण होगा और तब भक्त और भगवान के लीला का प्रकाश होगा।

"ए जे सुबाहु जुग कलि, क्षिण आयुष महाबली। पापे सकल क्षय जिब, पांच सहस्र भोग हेब।" - आदि संहिता - अच्युतानंद दास

अर्थात कलयुग की आयु 4,32,000 वर्ष है। लेकिन मनुष्य कृत पाप कर्मों की कारण से कलियुग की संपूर्ण आयु क्षीण हो जाएगी, एवं पांच हजार वर्ष ही भोग होगा।

"कलियुग पांच सहस्र गले, बिष्णु जे जनम होइबे भले। पांच सहस्र रे नर शरीरे, बिष्णु जे राजुति करिबे भले" -पट्टा मडाण -शिशु अनंत दास

अर्थात पांच हजार वर्ष में कलियुग समाप्त होने पर भगवान विष्णु चौंसठ कलाओं से युक्त होकर धरती पर मानव रूप धारण करके कल्कि अवतार में आएंगे और विश्व में राज करेंगे।

"चहटिब लीला तु चारि रे मिशा एक, चढा तिनि शुन तहिं जेते हेला ठीक। चलिजिब घोर कलि

भविष्य मालिका

दलिदेबे मिलि,चेताइण गीते कहे अच्युत जे भालि।" - भविष्य मालिका - अच्युतानंद दास

अर्थात चार में एक मिलाने से जो आता है उसमे तिन शून्य चढाओ अर्थात पांच हजार वर्ष भोग होने पर घोर कलिकाल चल रहा होगा ये चेतावनी अच्युतानंद स्वामी दे रहे है।

**"निश्व अवतार अबनी ऊपर निलांबर पुर बास,
निश्चे पांच सस्र भोग र अंतेण होइथिबु जे नरेश"
-उद्धव भक्ति प्रदायिनी - अच्युतानंद दास**

अर्थात कृष्ण और उद्धव के बीच कथोपकथन होता है उसमें उद्धव जी के प्रश्न का उत्तर देते हुए, भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि, कलयुग के पांच हजार वर्ष भोग होने के बाद महाप्रभु अपना नीलांचल धाम त्याग करके कल्कि अवतार के रूप में मानव शरीर धारण करेंगे।

"संबश्चर पांच सहस्र कलि होइब शेष, सत्य युग आद्य होइब शुभ जोगे प्रकाश।" - कलि चौतिसा - हाड़ीदास

अर्थात 5,000 वर्ष में कलियुग समाप्त होगा और उसके बाद संध्या युग यानी कि आदि सतयुग का प्रकाश होगा।

 "शिशु बोलंति हे शुणिमा बारंग कलंकी स्वरूप होइ, युग संधि पांच सहस्र बरष जेबे जिब भोग होइ। जेसनेक निशि पाहिले प्रभात युग संधि एहा जांच, सेमंत समये कलंकी स्वरूप हेबे प्रभु नारायण। समक्षरा बता शुणि आदिकरि प्रमाण एहाकु कर, सबु एक ठाबे मिशाइ कहिण करिबु पांच हजार।" - आगत भविष्यत् - शिशु अनंत दास

 अर्थात कलियुग के संध्या समय में अर्थात संगम युग में, भगवान नारायण कल्कि अवतार धारण करेंगे, और उसी समय कलियुग को 5,000 वर्ष बीत चुके होंगे

इन साहित्यों के अलावा कालज्ञानं जैसे अन्य भाषाओ के प्राचीन शास्त्रों में भी कलियुग की आयु 5,000 साल ही काटने का स्पष्ट प्रमाण मिलता है।

भविष्य मालिका

भविष्य मालिका की सत्यता का प्रमाण

भविष्य मालिका में जितनी भी भविष्यवाणियां की गयी है, वे एकदम सटीक है। भविष्य मालिका के ऊपर आपका विश्वास आये इसलिये हम आपको कुछ तथ्य और भविष्यवाणियों के बारे में बताने जा रहे है जो अभी तक हो चुकी है। इन्हें देख कर आपको पता चल जायेगा कि मालिका कितना सत्य है। साथ मे हम मालिका की पंक्ति भी दे रहे है।

1. मुगलो यवनों राजुती हेबो, प्रजापीड़ा महोरोगो होइबो।

भिखारी मानो कू दंडिबो दंडो, देवो भूमि हरि नेबो प्रचंडो ॥

➡ अर्थात मुगलो यवनों का राज होगा प्रजा में पीड़ा और मंहगाई होगी भिखारियों को दंड दिया जाएगा देव भूमि भारत को प्रचंड रूप से हर लेगा।

2. प्रथमे मुगलो राजूती होईबो तदंके ब्रिटिश बड़ो।

मुहूर्तों मध्ये देशों छाडी जीबे रखी जाई थिबे कोरो ॥

➡ *अर्थात प्रथम मुगलो के शासन काल के बाद ब्रिटिश शासन होगा मूहूर्त के मध्य मे देश छोड़ देंगे और लगान (कर) रख कर जाऐंगे।*

(लगभग 500 वर्ष पहले ही पंचसखाओ ने बता दिया था कि भारत पर मुगलों का शाशन होगा फिर अंग्रेज़ो का शाशन होगा)

3. पाकिस्तान राज्य गोटा छारखार हेब,

पछ बेलकु पुणि बुद्धि जे स्फुरिब।

➡ *पाकिस्तान राज्य पुरा मिट्टी में मिल जाएगा, जब उनको बुद्धि आएगा तब तक कुछ भी बचा नहीं होगा।*

(जब मालिका लिखा गया था तब पाकिस्तान जैसा कोई देश भी भविष्य में होगा, कोई इसकी कल्पना भी नहीं कर सकता था। आगे 1947 में जा के भारत से

[भविष्य मालिका]

अलग होकर एक नया देश बना जिसका नाम पाकिस्तान है। लेकिन पंचसखा ने लगभग 500 साल पहले पाकिस्तान के बारे में बता दिया था)

4. ओडिशा रे बड़ बंध तिआरि जे थिब,
सेइबेले शत्रु द्वारा भांगिण जे जिब।
हीराकुद बोलि बंध र जे नाम थिब,
बंध बाड भांगि सबु एक जे होइब।

➡ *ओडिशा में एक बड़ा बांध हीराकुद नाम से बना होगा, जो कि शत्रु द्वारा अंतिम समय में टुटेगा। ये हीराकुद बांध जब टुटेगा, तब चारो तरफ जलमग्न हो कर एकाकार दिखेगा।*

(हीराकुड डैम भारत का सबसे लंबा डैम है। इसे 13 जनवरी 1957 में खोला गया था। 15 मार्च 1946 को ओडिशा के राज्यपाल सर हॉथोर्न लुईस ने हीराकुंड

बांध की आधारशिला रखी थी। भविष्य मालिका में इसके बनने के लभगभ 500 वर्ष पहले ही इसकी भविष्यवाणी कर दी गयी थी। और आगे चल कर यह बांध टूट जायेगा इसकी भी भविष्यवाणी है जो आगे चलकर होगा।)

5. तेंतूडी हाटो रे सियालदह ठारे इंजन होई छी थूआ।

ता अंते ब्रिटिश उजाड़ी आसीबे पंडा हेबे कूआ भूआ।।

➡ *अर्थात सियालदह के तेंतूडी हाट के नजदीक लोहे के जंजीरो मे बंधा एक ब्रिटिश काल का रेल इंजन रखा हुआ है जो जगन्नाथ मंदिर पर हमले के पहले ही जंजीर तोड कर अपने आप पटरी पर दौडने लगेगी और पुरी स्टेशन पर रूकेगी ये देख कर पंडो के बीच हाहाकार मच जाऐगा।*

भविष्य मालिका

(जब ना ही रेल थी, ना ही कोई इंजन थी तब मालिका में इनका प्रमाण दे दिया गया था। और यह सच है सियालदाह में एक पित्तल के इंजन को बांध कर रखा गया है। आप पता कर सकते है।)

6. मोहन गांधी आयुष,

जवान न्क जोगुं होइब नाश लो जाइफुल

भाब ए मिथ्या न भाष।

➡ *अर्थात मोहन गांधी की आयु एक युवक के कारण खत्म होगा ये वचन मिथ्या मत सोचना।*

(ये भी सत्य है मोहन दास करमचंद्र गांधी की जान एक युवक के गोली मारने के कारण गयी। पंचसखाओ ने लगभग 500 वर्ष पहले ही बता दिया था यह बात।)

7. प्रचारिलु तुहि समय सुन राम रतन,

दिव्य सिंह देव राजन कोड़े कन्या रतन।

➡ *अर्थ- हे रामचंद्र अंतिम राजा दिव्य सिंह देव होंगे जिनको कन्याए होंगी।*

(आप पता कर सकते है पूरी के अभी के राजा का नाम क्या है और उनका ककी पुत्र नहीं है केवल बेटियां है। पंचसखाओ ने इसके बारे में भी सैकड़ो वर्ष पहले ही बता दिया था।)

8. पुरुष प्रसव करूथिब सूत नारी होइब अंडिर आखी फुटीजिब सकल जनर ध्रूम उठीब सुन्यार

➡ *महापुरूष अछूतानंद लिखे थे कलियुग का अंत में पुरुष लोग बच्चा पैदा करेंगे। जो कि सच हो गया है।*

(आप गूगल में जा के "male pregnancy") के बारे में पता कर सकते है। 500 साल पहले इसके बारे में कोई सोच भी नहीं सकता था। इससे भविष्य मालिका की सटीकता के बारे में पता चलता है।)

भविष्य मालिका

9. न रहिबो कांग्रेसो जे पड़ाईबो छाड़ी, निश्चये बीजेपी जिबो भारतो गादी माड़ी । नृपति पद्मो पुष्पो रामो बाणो टाणो, लेखिले अच्युतानंदो ऐ कथा प्रमाणो ॥

➡ *अर्थात कांग्रेस नही रहेगी छोड़ कर चली जाएगी, निश्चित ही बीजेपी भारत के सिंहासन पर बैठ जाएगी। कमल का फूल राज करेगा राम नाम का जिद्द करेगा ये प्रमाण अचुतानंद लिख कर गए हैं।*

(500 वर्ष पहले यह कौन सोच सकता था कि भारत मे लोकतंत्र होगा और बीजेपी और कांग्रेस का राज होगा। यह है भविष्य मालिका की सटीकता)

10. श्री धामरु एक बड़ पाषाण ख़सिब,

दिबसरे उल्लूक तार उपरे बसिब।

मो भुबने उल्कापात हेब घन घन,

जेउ सबु अटे बाबू अमंगल चिन्ह।”

➡ *महापुरुष ने कहा कि श्री जगन्नाथजी के मुख्य मंदिर से एक विशाल पत्थर गिरेगा और दिन के समय में पत्थर पर एक उल्लू बैठेगा और ये दोनों संकेत मंदिर में घटित हो चुके हैं तथा श्रीजगन्नाथ क्षेत्र में, आने वाले निकट भविष्य में बार-बार उल्कापिंड गिरेगा, इसका प्रमाण हमें महापुरुष के द्वारा लिखे गए अनेक ग्रंथों से मिलता है।*

(जगन्नाथ मंदिर से पत्थर गिरने के बारे में भी भविष्य मालिक में 500 वर्ष पूर्व ही बता दिया गया था। आप इसके बारे में इंरनेट से भी पता कर सकते है।)

11. तीनी नव अंक समीर संजोग बृहस्पति संध्या काले।

शुक्रवार राति पंचमी जे तिथि,संदेह न कर हेले।।

भविष्य मालिका

➡ *आगे के दोहे में महापुरुष बताते है कि जब ऐसा योग आयेगा तो घोर पवन बहेगा।*

तीन 9 अंक में समीर का सयोंग करो। दिन होगा शुक्रवार तारीख होगा 5।

(मतलब तीन नौ अंक (999) और उसके सामने समीर अर्थात (1) को रखो मतलब(1999) दिन होगा शुक्रवार , तारीख होगा 5 उसी दिन उड़ीसा से यह सुपर साइक्लोन टकराया और बहुत ज्यादा क्षति हुई थी। लगभग 15000 लोग मरे थे। और लाखों घर छतिग्रस्त हुए थे।

(इस घटना का तारीख और साल भी पंचसखाओ ने 500 वर्ष पूर्व बता दिया था।)

12. श्री धामरु एक बड़ पाषाण ख़सिब,

दिबसरे उल्लूक तार उपरे बसिब।

➡*महापुरुष ने कहा कि श्री जगन्नाथजी के मुख्य मंदिर से एक विशाल पत्थर गिरेगा और दिन के समय में पत्थर पर एक उल्लू बैठेगा और ये दोनों संकेत मंदिर में घटित हो चुके हैं। आप पता कर सकते हैं।*

(आप इनके बारे में इंटरनेट से भी पता कर सकते है।)

13. समुद्र रूबातासोजे उठिन आसीब।

कल्पवट डाल मोर भांगीब पोकाइब।।

➡ *ब्रह्म प्रलय के समय जिस कल्पवट की साखा में प्रभु शिशु रूप में विश्राम करते है उसकी साखा समुद्री तूफान के कारण टूट जायेगी। यह चीज़ हो चुका है।*

14. अउ बतासरे चक्र वक्र हेबो निलचक्र मोरो।

भविष्य मालिका

➡ *समुद्र से एक तूफान उठेगा व उस भयंकर तूफान के कारण पूरी मंदिर के ऊपर का निल चक्र वक्र(टेढ़ा) हो जायेगा।*

(यह संकेत बंगाल की खाड़ी से सन - 2019 में भयंकर चक्रवात के द्वारा सम्पन्न हो चुका है एवं इसकी पुष्टि ओडिशा सरकार ने चक्रवात के दूसरे दिन कर दी थी यह खबर वहाँ के स्थानीय न्यूज़ चैनल और अखबारों में भी आया था।)

15. मदोनो मालवीयो थिबो एको भक्तो बड़ी ।
गांधी सहीतो अंहिसा धर्मों रे निरंतरो थिबो बुड़ी।

➡ *अर्थात मदन मालवीय रहेगा एक भक्त वो गांधी के साथ अहिंसा धर्म मे निरंतर डुबा हुआ होगा। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में दोनों ने बड़ा योगदान दिया था।*

(मदन मोहन मालवीय के बारे में तो एस्प जानते ही होंगे ये भी एक स्वतंत्रता सेनानी थे इनके बारे में ही भविष्य मलिका में पहले ही बता दिया गया था।)

16. ब्रह्म भक्ति वेदो वारो, से दिनों पडाईबो गूरा सरकारो।

➡ *मालिका मे कब अंग्रेज भारत छोड़ देंगे ये लिखा था।*

ब्रह्म भक्ति वेदो वारो, से दिनों पडाईबो गूरा सरकारो. अर्थात ब्रह 1, भक्ति 9 ,वेद 4, वार 7 अर्थात 1947 को गोरा सरकार भारत से चली जाएगी।

(इसी से पता चलता है मालिका कितना सटीक है। पंचसखाओ ने 500 साल पहले ही बता दिया था कि भारत मे अंगेज़ों का शाशन होगा एयर कब ये भारत को छोड़कर जायेंगे।)

भविष्य मालिका

17. चौबीस रूं लेखा यंत्र उलटी पड़ीबो, कम्प्यूटरो मोबाइलो कामो न जे देबो, कोलो कारोखाना सबू भांगी ण जे जीबो, स्कूलो कोलेजो कोषागारो बंदो होई जीबो ।

➡ अर्थात 24 अंक से से कम्प्यूटर मोबाइल काम नही करेंगे, कल कारखाने सब नष्ट हो जाऐंगे, स्कूल कालेज बैंक बंद हो जाऐंगे ।

(कंप्यूटर, मोबाईल, स्कूल, कॉलेज इन सब के बारे में लगभग 500 वर्ष पहले ही बता दिया गया था।)

18. चंद्र बाणो वसु राजा नरेन्द्र जाणो ।

थोकाए नष्ट हेबो मरीबे रणो भणो ॥

➡ *58 अंक दिव्य सिंह जी का अंक है।*

अर्थात 2014 में अंक में राजा नरेन्द्र होगे और उनके शासन में खाध्य संकट और महंगाई के साथ अकाल गिरेगा।

(अर्थात मालिका में नरेंद्र मोदी जी का भी प्रमाण मिलता है। 500 वर्ष पहले ही बता दिया गया था कि 2014 में नरेंद्र नाम का व्यक्ति राज करेगा।)

19. सुभाष नामो रे वीरो सैन्य,अमर अतायी सेही ती जानो। सुभाष रहिची रूसियारे असुरो माया रे साधी ।

➡ अर्थात सुभाष नाम से वीर सैनिक, जान लो वो अमर हैं। वो असुरी माया साध के रशिया में रह रहे है।

(भविष्य मालिका में सुभाष चंद्र बोस जी का होने का प्रमाण बहुत पहले ही दे दिया गया था।)

20. अरुण स्तम्भ रे एको पत्थोरो खोसिबो , तेईसो बोरोसो जाई कलि सरी जिबो | उत्तर धाम नस्टो भ्रस्टो होई जिबो।

[भविष्य मालिका]

➡ *15 जून 1995 में अरुण स्तम्भ से पत्थर गिरा था उसके ठीक २३ साल बाद १५ जून २०१३ में उत्तराखंड में भारी तबाही हुई ।*

(अरुण स्तम्भ से पत्थर गिरेगा यह सैकड़ो वर्ष पूर्व ही मालिका में बता दिया गया था।)

21. परमाणु जे बोमा जारा लागी बिदेसिब गारिमा,

देखाई भुवन्ति आज पाश्चात्य सेना,

ताहाँ फुटिबे नाही केणे जेबे मिलाई,

एहा देखी बिदेसीए जिबे पलाई।

➡ *अर्थात् – तृतीय विश्व युद्ध के समय भारत के शत्रु देशों द्वारा भारत पर परमाणु हथियारों का प्रयोग होगा। तब चक्रधर भगवान कल्कि द्वारा केवल इच्छा कर लेने मात्र से शत्रु देशों द्वारा प्रयोग किये गए सभी परमाणु बम व हथियार निष्क्रिय हो जाएंगे। तब सभी शत्रु देशों,*

यूरोपियन देश और चीन तथा पाकिस्तान के सैनिक भयभीत होकर अपने देश लौट जाएंगे तथा अपने छुपने के लिये स्थान तलाशेंगे और अपनी सुरक्षा करने के लिये विचलित हो जाएंगे।

(आज से 500 वर्ष पूर्व परमाणु बम जब नही था तब पंचसखाओ ने परमाणु बम के बारे में बता दिया था।)

22. दिल्ली सहारा ति जान धन्स स्तूप हेबा प्रथम | रॉकेट माड सहिठारे टी हेबा

➡ *पहला हमला दिल्ली पर रॉकेट से होगा, और दिल्ली शहर में बहुत विनाश होगा। दिल्ली शहर ध्वंस का स्तूप बन के रह जायेगा।*

(राकेट का अविष्कार 19वी शताब्दी में हुवा था लेकिन पंचसखाओ ने 500 वर्ष पूर्व ही राकेट के बारे में संकेत दे दिया था।)

23. "नुआ रेल रास्ता जेबे होइब कटके

[भविष्य मालिका]

सेही बेले हाणगोल छटकेनाटके
दिबसरे उलुका पात हेउथिब जाण
24 अंक रे एहा घटीबा जे पुण।
रानीहाट रु तुलसीपुर जे पर्यंत
बहुथिब नितिदिन मानव रकत
गृहयुद्ध हेब पुणि हिन्दु मुसलमान"

➡ *अर्थात: - जब ये कटक-भुवनेश्वर मेट्रो प्रोजेक्ट का काम आरंभ होगा उस समय एक भयानक युद्ध कटक (ओड़िशा) में होगा और उसी समय कटक के राणीहाट, तुलसी पुर आदि स्थानों में गृह युद्ध भी चलेगा।*

अपने- अपने के बीच लड़ाई में बहुत लोग मृत्यु को जाएंगे, रक्तचाप होंगे। तब दिन के समय में भी उल्का पिंड गिरने लगेंगे । लगभग जो 24 अंक होगा उस समय में ये घटना होगी।

(अभी फिलहाल में ही (2023) में ओडिशा दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने ओडिशा में

मेट्रो ट्रेन चलाने की घोषणा की। उन्होंने इसके लिए युद्धस्तर पर डीपीआर तैयार करने के भी निर्देश दिए। इस मौके पर सीएम ने कहा कि हम एक नए ओडिशा की ओर एक और कदम बढ़ा रहे हैं। आप न्यूज़ में भी आप इसके बारे में पता कर सकते है। लगभग 500 वर्ष पहले ही पंचसखाओ ने ऐसा होने का प्रमाण दे दिया था।)

24. युगो तो होईबो उदभिटो, पागलो करीबो क्रिकेटो I दुर्नीति रो छक्का चौका रे बोलो पोड़िबो धा तिड़ किटो II

➡ *अर्थात युग अजब गजब होगा, क्रिकेट खेल लोगों को पागल करेगा और दुर्नीति के छक्के चौके से बॉल गिरेगा धा तिनक धिन धा।*

(क्रिकेट को लेके लोग पागल हो जायेंगे इसके बारे में भी पंचसखाओ ने लगभग 500 वर्ष पूर्व ही बता दिया था।)

25. ओज़ोन स्थल रे पुनि छिद्र देखा देब

भविष्य मालिका

पृथ्वी पृष्ठ रे ताप मात्रा जे बढ़िब।

अति उत्करे मेरू हिम करनिब

जहाँ प्रभावरे खंड प्रलय होइब

➡ *ओज़ोन परत में छेद हो जायेगा। पृथ्वी में तापमान बढ़ेगा। जिसके कारण उत्तर ध्रुव में बर्फ पिघलेगा। जिसके प्रभाव से खंड प्रलय होगा।*

(पृथ्वी के वायुमंडल में एक ओजोन परत है। ओज़ोन परत के कारण ही धरती पर जीवन संभव है। इसकी खोज 1913 में हुई थी। और ओजोन परत में छेद पहली बार लगभग 1985 में देखा गया था। लेकिन पंचसखाओ ने नाम सहित बता दिया था कि ओजोन परत में छेद होगा और उससे क्या होगा।)

इन सब के अलावा भी अनेकों ऐसे प्रमाण है जिससे भविष्य मालिका की सटीकता का पता चलता है। दर्ज़नो संकेत युग पररिवर्तन के दिये गये है जो कि पूरा हो चुका है। लेकिन पीडीएफ ज्यादा बड़ा हो जायेगा इस कारण 25 तथ्य ही दिया है। इतने तथ्यों के बाद भी

मालिका जैसे दिव्य ग्रंथ पर कोई सवाल उठाता है तो वह बहुत बड़ा मूर्ख ही होगा।

प्रभु कल्कि और माता लक्ष्मी का जन्म

प्रभु कल्कि का जन्म

■ सेहि बेल काल जाणि,

ओडिशा रे प्रभु जन्मिबे पुणि लो जाइफुल

केहि तांक मायाकु न चिन्हि।

उस समय में प्रभु कल्कि उड़िसा में जन्म लेंगे। उनके माया को कोई जान नहीं पाएगा। मालिका में ये साफ लिखा है कि प्रभु कल्कि का जन्म ओड़िशा में ही होगा। ओड़िशा में कहाँ होगा इसपर मालिका में कुछ ऐसा लिखा है।

भविष्य मालिका

■ इंदु परे बिंदु देखिब पुन, आम्भ अभिर्भाव जाजपुरेण।।

जब चंद्रमा के परे बिंदु दिखेगा तब मेरा आविर्भाव(जन्म) ओड़िशा के जाजपुर में होगा।

ऐसा चंद्रमा के परे बिंदु कई बार हो चुका है। इसलिये इससे भगवान कल्कि का जन्म वर्ष पता करना मुश्किल हो जाता है लेकिन मालिका के एक और पंक्ति में ऐसे लक्षण के साथ अंक भी बताया गया है। जिससे यह बात साफ हो जाती है कि प्रभु कल्कि का जन्म कब हुआ है।

■ बिंस रेब अंक जे बन दिन,

इंदु परे बिंदु उदय गमन,

एमन्त लक्षण देखिबु जेबे,

कल्कि जन्म होइबे तेबे।

अर्थात, जब बिंस रेब अंक (मतलब 20+27=47 अंक) होगा तब आसमान में चांद के ऊपर एक तारा देखा जाएगा. जिस वक्त ऐसा लक्षण दिखेगा, उसी समय कल्कि का जन्म होगा. यह 47 अंक दिव्य सिंह देव जी का है जो कि 2005 आता है। इसलिये पभु कल्कि का जन्म ओड़िशा के जाजपुर में 2005 में हुवा था।

प्रभु कल्कि कौन है यह तो मैं जानता हूँ। सोच रहा हूँ इसपर एक अलग से pdf बनाऊ पूरे मालिका के साक्ष्य के साथ। हालांकि फिर भी जिसके प्रारब्ध में होगा वे ही मानेंगे, वे ही दर्शन करेंगे सबके नसीब में नही है यह सौभाग्य।

माता लक्ष्मी का जन्म

■ लक्ष्मी जन्मो होईबे आम्हो नीलांचले । घरे घरे मोरो नामो हेबो सेतेबेडे।।

भविष्य मालिका

अर्थात लक्ष्मी जी का अवतार पुरी मे होगा तब मेरा (अचुतानंद) नाम घर घर लिया जाएगा। इस पंक्ति से ये साफ हो जाता है कि माता लक्ष्मी का जन्म ओड़िशा के पूरी में होगा। एक और मालिका पंक्ति में माता लक्ष्मी का जन्म श्रेक्षेत्र बताया गया है जो कि पूरी का ही दूसरा नाम है। साथ ही में यह भी कहा गया है कि मां लक्ष्मी का जन्म अनन्त नाम के पंडा के घर में होगा।

तीसरा विश्वयुद्ध

■ होइब महासमर, देश देश मध्ये अति प्रबल लो जाईफुल। पृत्वी होई जिब नार-खार।।

➡ *देशों देशों के बीच इतना प्रबल महायुद्ध होगा कि सारी पृथ्वी खंडहर,मरुस्थल हो जाएगी।*

इसका मतलब है कि एक साथ कई देशों के बीच युद्ध होंगे।

आनेवाला विश्व युद्ध एक साथ नहीं लड़ा जाएगा (एक स्थान पर, यानी कई देश एक साथ आपस में लड़ रहे होंगे)। मान लीजिए कि भारत पाकिस्तान, चीन और भारत के अन्य पड़ोसी देशों के साथ युद्ध में होगा। इसी तरह, अफ्रीका जर्मनी से लड़ रहा होगा। अमेरिका रूस के साथ युद्ध में होगा।

तीसरा विश्वयुद्ध परमाणु युद्ध होगा जिससे पूरी दुनिया तहस नहस हो जायेगी। अमेरिका ने जापान के दो शहरों हिरोशिमा और नागासाकी पर 6 और 9 अगस्त 1945 को परमाणु बम से हमला किया था। आनेवाले समय मे जापान अमेरिका से उसका बदला लेगा।

■ जापानो रो मोने थिबो हिरोशिमा कथा ।

पोकेई थिबो बोमा युद्धो रे जाणिथा ॥

➡ *अर्थात जापान को याद रहेगा हिरोशिमा की बात युद्ध मे जो बम गिराया गया था ।*

भविष्य मालिका

■ सेही रागो लड़ी थिबो जापानो रो जाणो।

सेही कारणे जापानो आरंभिबो रणो॥

➡ *अर्थात वही दुश्मनी जापान को याद रहेगा इसी कारण से वो भी फिर से युद्ध मे कूद पड़ेगा। और बदला लेगा।*

■ न्यूयॉर्क सहारा धवनस पदा होई जिबा, हहाकारा पड़ी जिबा अथर्ब निर्बेड़ा'।

- महागुप्त पद्मकल्प

➡ *न्यूयॉर्क शहर पूरी तरह से तबाह और वीरान हो जाएगा जहां कोई इंसान या जीवित प्राणी नहीं होगा। एक मरुस्थल बन जायेगा न्यूयॉर्क शहर।*

■ जर्मानी, ऋषिआ आदि,

इटाली, जापान, तुरस्क गादि लो जाइफुल

सेहि सरबे होइबे रद्दि।

➡ *जर्मनी, ऋषिया, जापान, इटली आदि अनेक देशों का बहुत ज्यादा क्षति होगा। ये देश पूरा रद्दी हो जायेंगे अर्थात तबाह हो जायेंगे।*

भारत और तीसरा विश्वयुद्ध

भारत मे भयानक युद्ध होगा 13 मुस्लिम देश और चीन एक साथ मिलकर भारत मे भयंकर आक्रमण करेंगे। चारों दिशाओं से आक्रमण होगा। जल,थल,वायु मार्ग सभी और से आक्रमण होगा।

■ मीनो शनि मेड़ो गो हो हेबो जेते बेड़े

समरो लागीबो बाबू भारोतो मंडले ll

➡*अर्थात मीन शनि का जब संयोग होगा भारत के अंदर भयंकर युद्ध होगा।*

भविष्य मालिका

मीन शनि योग ज्योतिष गणना के आनुसार 29 मार्च 2025 को आयेगा। हालांकि भविष्य मालिका में इसके समय से पहले अर्थात 2024 के किसी महीने में आने के संकेत मिलते है। प्रमोद पुस्टि जी जो कि एक बहुत ही बड़े मालिका वाचक है के अनुसार यह योग 2 नवंबर 2024 को आयेगा।

■ सबू मियां देशो मिसी एको ठन हेबे । कहीने से भारतो कू उड़ाई ण देबे ॥ भारतो जे भगवानो कंरो स्थानो । अनि घटीले प्रभु नुआ हेबे जन्मो ॥

➡ *अर्थात 13 मुस्लिम देश चीन, पाकिस्तान और तुर्की के अगुवाई मे एक हो जाऐंगे कहेंगे भारत को उड़ा देंगे। पर भारत भगवान का स्थान है अनिष्ट होने पर भगवान फिर से अवतार लेंगे।*

■ मीनो शनि भोगो ठारूं महाभयो हेबो दिल्ली सम्राट के आसी विपदो पडीबो ।

गांधारो सेना जे बहू द्वंद्वी आरंभिबो ||

छाड़ी पड़ाईबो केड़े बुद्धि न दिसीबो ।।

➡ *अर्थात शनि जब मीन राशि मे प्रवेश करेगा दिल्ली में प्रधानमंत्री भी विपदाओ से घिर जायेंगे क्योंकि गांधार सेना (पाकिस्तान चीन और तेरह मुस्लिम देशो की सेना बहुत उत्पात मचाऐगी) जिससे प्रधानमंत्री की बुद्धि काम नही करेगी और सबकुछ छोड़कर प्रधानमंत्री चले जायेंगे क्योंकि तब मिलिट्री शाशन लग जायेगा।*

तीसरे विश्वयुद्ध में कौन सा देश भारत का साथ देंगे और कौन सा देश भारत के विरुद्ध रहेंगे।

■ चीनी पाकिस्तान पुनी अमेरिका जाना

'रूसिया भारत पुनि जर्मनी जापन'

- 'गुप्त खेद मलिका'

भविष्य मालिका

➡ *अर्थात चीन और विश्व शक्ति अमेरिका पाकिस्तान के साथ होगा। और इराक के साथ-साथ 13 मुस्लिम देश पाकिस्तान और चीन का समर्थन करते हुए भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ेंगे।*

रूस, भारत, जर्मनी और जापान सहयोगी बनेंगे। मलिका के एक अन्य हिस्से में यह भी लिखा है कि फ्रांस भी भारत के साथ रहेगा।

भारत में तीसरे विश्वयुद्ध से भयंकर तबाही होगा बड़े-बड़े शहर खंडहर बन जायेंगे। आगे होने वाली तबाही का कुछ संकेत नीचे दे रहे है जिससे आप अंदाजा लगा सकते है कि कितना भयंकर विनाश होने जा रहा है।

■ कलिकाता जे सहारा पोड़ी जाली हेबा कि नार खारा लो जाईफूल ये हेब भारत समर सारा रे

➡ जब भारत, चीन और पाकिस्तान के बीच युद्ध होगा महाभारत युद्ध का 'एक बेला' (एक दिन का हिस्सा) युद्ध शेष है।

उस युद्ध के प्रभाव से चीन द्वारा कोलकाता शहर पर एक बड़ा हमला होगा। उस हमले की वजह से कोलकाता शहर के कई जोन आग की चपेट में आ जाएंगे। कोलकाता में आग से भयंकर विनाश होगा, और कुछ क्षेत्र जल कर राख हो जाएँगे।

■ कलिकता शहर जे मसान हेब,रूपरंग ढंग तार बदल जीब।।

➡ *कोलकाता शहर शमशान हो जाएगा इसका रूप ढंग से परिवर्तित हो जाएगा।*

भविष्य मालिका

■ बोमा माणे कालिकता काली मंदिर, भांगी चुना हेब एह अच्युत गार।।

➡ *कोलकाता की मां काली मंदिर में बॉम्ब गिरेंगे और वह चूर हो जाएगा ऐसा स्वामी अच्युतानंद जी का संकेत है।*

■ दिल्ली, बोम्बई, कलकत्ता,मद्रास जे जान।
प्रथमें घहिला हेबा बोम्ब मदे पुन
दिल्ली सहारा ति जान ध्वँस स्तूप हेबा।
प्रथम रॉकेट माड सहिठारे टी हेबा

➡ *अर्थात भारत के दुश्मनों का पहला हमला इन 4 जगहों पर होगा। साथ ही इन 4 जगहों पर युद्ध की तीव्रता सबसे ज्यादा होगी। पहला हमला दिल्ली पर रॉकेट से होगा,और दिल्ली शहर में बहुत विनाश होगा। दिल्ली शहर ध्वंस का स्तूप बन के रह जायेगा।*

विश्वयुद में दुश्मन देश के द्वारा भारत पर परमाणु हमला भी होगा। लेकिन स्वयं प्रभु कल्कि भारत की रक्षा करेंगे। इसका वर्णन मालिका में कुछ इस प्रकार है।

■ परमाणु जे बोमा जारा लागी बिदेसिब गारिमा,

देखाई भुवन्ति आज पाश्चात्य सेना,

ताहाँ फुटिबे नाही केणे जेबे मिलाई,

एहा देखी बिदेसीए जिबे पलाई।

➡ *अर्थात् – तृतीय विश्व युद्ध (2024-28) के समय भारत के शत्रु देशों द्वारा भारत पर परमाणु हथियारों का प्रयोग होगा। तब चक्रधर भगवान कल्कि द्वारा केवल इच्छा कर लेने मात्र से शत्रु देशों द्वारा प्रयोग किये गए सभी परमाणु बम व हथियार निष्क्रिय हो जाएंगे। तब सभी शत्रु देशों, यूरोपियन देश और चीन तथा पाकिस्तान के सैनिक भयभीत होकर अपने देश*

लौट जाएंगे तथा अपने छुपने के लिये स्थान तलाशेंगे और अपनी सुरक्षा करने के लिये विचलित हो जाएंगे।

परमाणु बम से प्रभु कल्कि भारत की रक्षा कैसे करेंगे इस पर मालिका में कुछ ऐसा वर्णन मिलता है।

■ अग्नि र दहिका शक्ति,

टाणि आणिबे से कमला पति लो जाइफुल

तहिं विदेशीए जिबे हटि।

➡ *महाप्रभु कल्कि परमाणु बम को जलाने वाले ऊर्जा को खिंचकर ले जाएंगे जिसके कारण बम नहीं फटेगा। यह देख दुश्मन देश की सेनाओं में डर समा जायेगा। जिससे वे लोग डर से भाग जायेंगे।*

कली महाभारत युद्ध

महाभारत काल का एक बेला अर्थात आधे दिन का युद्ध बाकी है। यह युद्ध कलयुग के अंत के समय में ओड़िशा राज्य में लड़ा जायेगा। कौरवों और पांडवों के सभी योद्धाओं का जन्म भारत समेत विश्व के विभिन्न देशों में हो चुका है। निकट भविष्य में होने वाले विश्वयुद में ये सभी योद्धा भारत का साथ देंगे। इस युद्ध मे कौरव पांडव एक साथ रहेंगे और भारत में हमला करने वाले विदेशी सेनाओं से भारत की रक्षा करेंगे।

■ कलयुग रे महाभारत टी

ओड़िशा भूमि प्रमाण।

उत्कल देश रे उतपत्ति होइब

ठीके ठीके राम सुन

➡ *महापुरुष अपने शिष्य रामदास से कह रहे है। कलयुग का महाभारत ओड़िशा के भूमि में होगा। यह उत्कल अर्थात ओड़िशा राज्य में ही होगा ठीक से सुन लो राम।*

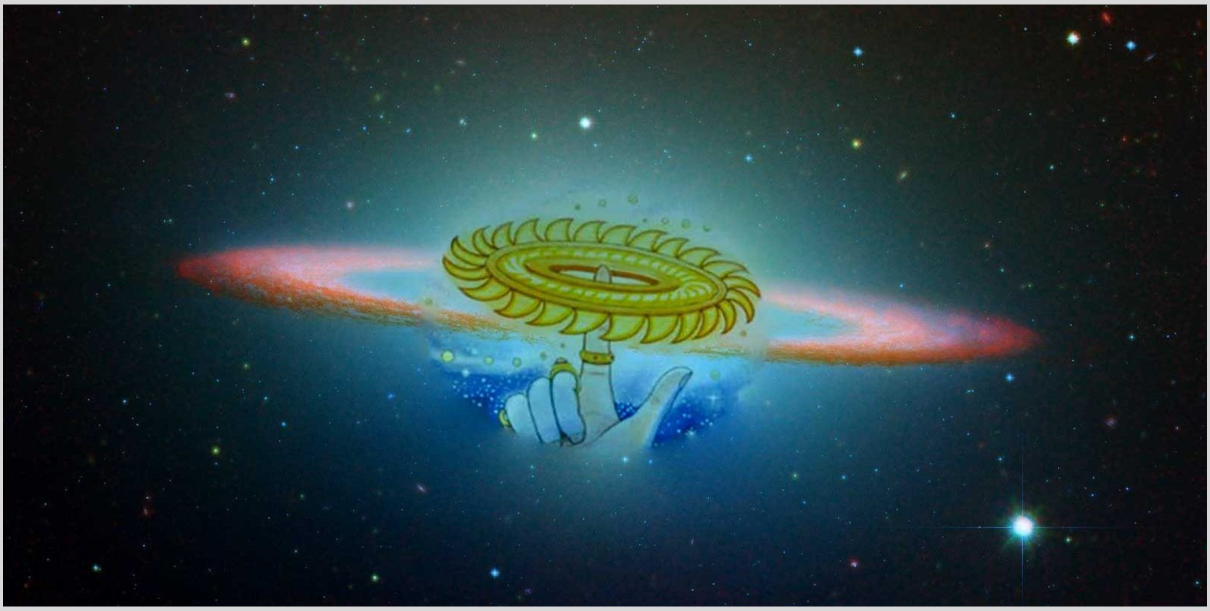
[भविष्य मालिका]

महाभारत काल के कुछ योद्धाओं के जन्म स्थान के बारे में हम यहाँ बता रहे है। अश्वस्थामा का जन्म जर्मनी देश मे हुवा है। वही वीर अभिमन्यु का जन्म अमेरिका में हुआ है, घटोत्कच का जन्म जापान में हुवा है, द्रोपदी के भाई दृष्टद्युम्न का जन्म ब्रिटैन में हुआ है। वहीं पांचों पांडवों (युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन , नकुल और सहदेव) का जन्म ओड़िशा, भारत के विभिन्न स्थान में हो गया है। इसके साथ ही महाभारत काल के अन्य योद्धाओं का भी जन्म भारत और विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में हुवा है।

कली महाभारत युद्ध भारत के ओड़िशा राज्य में लड़ा जायेगा। यह भारत में युद्ध के अंतिम 13 महीने में होगा। इस युद्ध में ये महान योद्धा विदेशी सेनावों पर काल की तरह धावा बोलेंगे। फिर स्वयं प्रभु कल्कि भी इस युद्ध के अंत मे भाग लेंगे। इसपर मालिका में कुछ ऐसा वर्णन मिलता है।

■ उड़ीसा राज्यरे खंडगिरि ठारे अनेक युद्ध होइबो। चक्रधरी प्रभु अनंतकिशोर म्लेच्छ संहार करिबे।।

उड़ीसा राज्य में भुवनेश्वर के खंडगिरि में महासमर (महाभारत युद्ध का बचा हुआ एक बेला का युद्ध) होगा। यवन (मुस्लिम देश) की चौदह लाख सेना युद्ध की मंशा से वहाँ तक आयेगी। उसी दौरान प्रभु कलियुग में सर्वप्रथम सुदर्शन धारण करेंगे और केवल एक ही प्रहार से १४ लाख यवनों का संघार करेंगे।



प्रभु कल्कि का विनाश लीला

आपने तीसरा विश्वयुद्ध के बारे में जो ऊपर पढ़ा वह भी प्रभु कल्कि के विनाश लीला का एक अंग है। भविष्य मालिका के अनुसार प्रभु कल्कि विभिन्न माध्यमों में विनाश लीला करेंगे। इस बात को आप नीचे की पंक्ति से समझ सकते है।

कही जल रूपे मोहि जगत नाशिबे,

कही पवन रूपे सकल ग्रासीबे।

कलियुग लोग हेबे तीन भाग नाश,

चतुर्थ भाग रू जे रहिबा अवशेष

अर्थ: कही मैं जल के रूप में अर्थात (भयंकर बाढ़, सुनामी), तो कही पवन (तूफान) के रूप में विनाश करूंगा, पृथ्वी के तीन भाग जन नष्ट हो जाएंगे और चौथा भाग अवशेष होगा।

अणोचासो खंडो पवनो बहिबो पर्वतो दोहली जिबो।

पर्वत गुहारे भक्तो रखीबो नेई करी बोड़ो देवो ॥

मतलब की 49 तरह के पवन बहेंगे। जिससे बहुत भयंकर आंधी तूफान आयेगा। जब भी 49 पवन बहता है महाविनाश होता है। उसी महाविनाशक 49 पवन के कारण पहाड़ में हिल उठेंगे। तब पर्वत के गुफाओ मे बलदेव भक्तों को बचा कर रखेंगे।

भूकम्प

जगह-जगह पर भयंकर भूकंप होंगे जिससे बहुत नुकसान होगा विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं के कारण आज पृथ्वी का जो भगौलिक स्थिति है वह बदल जायेगी।

भविष्य मालिका

स्थाने स्थाने भूमिकंपो होईबा रूं कंपी जिबो हिमोगिरी ।

गृहो बृक्षो केते स्थाने भांगि गोले होई जिबो होतो श्री ॥

अर्थात जगह जगह भूकंप के कारण हिमालय कांप उठेगा । घर पेड़ कितने टूट जाने से देश लक्ष्मी छोड़ा होगा अर्थात कंगाल होने लगेंगे ।

भूकम्प के कारण बड़े-बड़े बिल्ड़िंग ध्वस्त हो जायेंगे। और ऐसा होने पर चोर डकैत चोरी करेंगे।

स्थाने-स्थाने भूमिकम्प जे होइब, भुसुड़िब कोठा बाड़ी।

चोर खंट पुनि ड़कईत आसि, लगइबे लम्बा धाड़ी।।

अर्थ जगह जगह पर भूकंप आएगा और उसका फायदा उठा कर चोर डकैत लोग लंबी लाइन लगाकर लूटमार करेंगे।

फाटीबो हिमगिरि भांगी जिबो घोरो उत्तरे धुमकेतू दिसिबो ।

मिथुन मासो रे तेरह दिनो पक्षो काड़ो धोरोणी ग्रासीबो ॥

अर्थात हिमालय फट पडेगा, घर टूट जाऐंगे, इसके बाद उत्तर में धुमकेतू दिखेगा इसके बाद आषाढ महीने (जून-जुलाई) में तेरह दिन का पक्ष होगा इसके बाद काल धरती को ग्रास लेगा|

पाताल बासुकी टेकिब मुंड, तीनि थर जे कंपिब ब्रह्मांड।

बासुकी जी अपना सिर को हिलायेंगे जिससे पृथ्वी में बहुत भीषण भूकंप आयेगा।

वैसे तो पृथ्वी में बहुत सारे बड़े भूकम्प आयेंगे लेकिन शायद हो सकता है बहुत बड़ा भूकम्प तीन बार आयेगी। जिससे कि पूरी पृथ्वी थर्रा जायेगी।

भविष्य मालिका

जल प्रलय

आने वाले निकट भविष्य में बहुत बड़े स्तर पर जल प्रलय होंगे। बहुत सारे बड़े देश समुद्र में डूब जायेंगे। भविष्य मालिका के अनुसार निकट भविष्य में एक ऐसा भयानक जल प्रलय आयेगा की ओड़िशा के पूरी में स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर के ऊपर लगे नीलचक्र के 5 हाँथ ऊपर तक पानी चला जायेगा।

आपके जानकारी के लिये बता दे कि श्री जगन्नाथ मंदिर की उच्चाई 65m है।

■ उत्तरा कटक देऊ, उठीबा ऊ झाणी, नीलचक्र बुडि हेब, पांच हाथ पानी।

अर्थ : उत्तर कटक की तरफ से बाढ़ उठेगी, उसके बाद नीलचक्र के पांच हाथ ऊपर तक पानी होगा।

(पूरी के जगन्नाथ मंदिर के ऊपर जो बड़ा सा चक्र है उसे ही नीलचक्र कहते है।)

■ बलदेउ रे पानी पसिन जे जिब, नीलचक्र परे पानी डेंउ जे पड़िब। केते केते भक्त माने होइबेटी मेल, वैज्ञानिक यन्त्र सबु होइबे अचल॥

बलदेव में पानी घुस जाएगा निलचक्र के ऊपर से पानी चला जाएगा, उसी समय बहुत सारे न जाने कितने भगत एकत्रित होंगे और वैज्ञानिक यंत्र सभी अचल हो जाएंगे

उल्कापात

आनेवाले निकट भविष्य में भयंकर उल्कापात भी होंगे जिससे भारी क्षति होगी।

23 जाई 24 आगत पृथ्वी होइब उल्कापात

भविष्य मालिका

अर्थात 23 अंक जायेगा और 24 अंक आएगा तभी पृथ्वी पे उल्कापात होगा।

23 जाई 24 आगत महाभयंकर उल्कापात पड़ीब जाइन प्रूबे भाग रे पसिब सागर गर्भगृह रे

यानी कि जब 23 अंक जा रहा होगा और 24 अंक आ रहा होगा तब भयंकर उल्कापात होगा। यह उल्का पूरब भाग में होगा अर्थात बंगाल की खाड़ी में होगा। और इसी कारण सागर का पानी श्री जगन्नाथ मंदिर के गर्भ गृह तक आ जायेगा।

नक्षत्रो वृष्टि रात्रों दिनो हेबो। महत्व पूणी जे केही न थिबो।।

उल्का पातो हेबो हूडोहूडी। स्वानो सृगाडो छाडीबे मो बाडी।।

भयानक उल्कापात रात दिन होगा। उल्कापात से काफी नुकसान होगा आनेवाले समय में।

भैरवी डाक

मालिका के अनुसार भैरवी डाक होगा जिसे सुनते ही लोग मर जायेंगे। जहाँ तक मेरी जानकारी है भैरवी डाक बार-बार होग।

■ **भोबोनिस्वर रे भैरवी डाकिब बहुत लोक मरीबे,कहीबा गरुड़ आगकु शुनीबू जेमंते से नाश जिबे**

हे गरुड़ भुवनेश्वर में भैरवी गर्जन करेगी और उसको सुनकर बहुत लोगों का मौत होगा।आगे कैसे लोग मरेंगे में तुम्हे बताऊंगा।

■ **भइरबी देब डाक,**

चमकि पडिब सारा मुलक लो जाइफुल

तहिं नष्ट हेब थोकाएक।

भविष्य मालिका

आगे समय आएगा भैरवी मां चिल्लाएगी, उस आवाज से सारी मुल्क चौंक जाएगा, कांप उठेगा। बहुत लोग इससे नष्ट हो जाएंगे।

महामारी

भविष्य मालिका के अनुसार पूरे विश्व मे 64 तरह की महामारी आयेगी जिसका इलाज किसी के पास नहीं होगा। इसका शुरुवात कोरोना से हो चुका है। भविष्य में कोरोना से भी कई गुणा खतरनाक महामारी आयेगी।

■ एमोनतो व्याधिए कहुंतो आसिबो नर अंगरे प्रकासो, मुखोरुतो रक्तो उदगारो होइबो सकल होईबे नासो।

आने वाले समय में सभी मनुष्य एक ऐसा समय भी देखेंगे, जब लोगों के मुह से रक्त की उल्टियां

होने लगेगी, उस दौरान बहुत से लोग जिन्होंने पाप किया है ऐसे पापी लोगों की मृत्यु होगी।

■आद्य वैद्य ठारे प्रकाश होइबो अरे अन्य हेबे नास बैद्य नास जेबे होइबो बारंगो अउके होइब धँसो।

उपचार करने वालों के ऊपर सर्वप्रथम इसके असर दिखाई देंगे। तत्पश्चात धीरे-धीरे समस्त मनुष्य समाज में इसके लक्षण दिखने लगेंगे व सभी पापियों का विनाश होगा।

लंजा नक्षत्र

आनेवाले निकट भविष्य में एक बहुत ही बड़ा नक्षत्र पृथ्वी में गिरेगा लेकिन प्रभु कल्कि की कृपा से वह टकराने से पहले 3 टुकड़ो में टूट जायेगा। उनमें से एक टुकड़ा बंगाल की खाड़ी में गिरेगा। जिससे महाभयंकर

भविष्य मालिका

सुनामी आयेगा। और समुद्र का पानी सैकड़ो किलोमीटर तक जमीन के अंदर तक आयेगा। जहाँ तक हमारी जानकारी है लंजा नक्षत्र महाविनाश के अंत समय में गिरेगा।

तीनि दिगी लंजा एक बेला रे पड़ीब

आकाश मंडल धूम्रवर्ण प्रकशीब

गिरने से पहले लंजा नक्षत्र 3 भाग में टूट जायेगा

और तीन दिशा में लंजा नक्षत्र एक ही समय में गिरेगा। जिससे आकाश में धुवाँ ही धुंवा दिखाई देगा।

■ दक्षिणे जल पूर्ण हेब

पश्चिमे मड़क पडिब

पूरब खंड घासीजीब

उत्तरू लंजा जे पड़ीब

➡ दक्षिण जल में डूब जायेगा।

पच्छिम में मड़क पड़ेगा।

पूरब की जमीन अपने जगह से हट जायेगी।

उत्तर में जब लंजा गिरेगा।

■ सात, सात, छव ठाब रे गुण चहल हेब।

दिवस रे लंजा पड़ीब उल्कापात होइब।

दिन के समय ही लंजा नक्षत्र गिरेगा। और साथ मे उल्कापात भी होगा।

लंजा नक्षत्र किस अंक में होगा इसका भी मालिका में प्रमाण मिलता है।

पांचों, तीनों, तेरो एकत्र होइबा, लांज़ा नक्षत्र चिंदिबा,

जानिबु सेई दिनू काली छडी जिबा सत्य उदय होइबा

भविष्य मालिका

अर्थात 5,3,13, एकसाथ होंगें तो लंजा नक्षत्र (धूमकेतु) टुकड़ा होके गिरेगा, उसी दिन से कलयुग छूट जाएगा, सत्य उदय होगा। मतलब की 21 अंक में ही लंजा नक्षत्र गिरेगा।



वैज्ञानिक यंत्र सब बंद हो जायेंगे

निकट भविष्य में एक ऐसा समय आयेगा जब सभी वैज्ञानिक यंत्र जैसे कि मोबाईल, कंप्यूटर इत्यादि काम करना बंद कर देगी। इस पर मालिका में विस्तृत वर्णन मिलता है।

📴 **लेखा जंत्र माणो उलटि पड़िब पढ़ा ज्ञानी हेबे बणा, मंगमंगुवाल बोलो ना मानिबे ज्ञान कही अकलणा ।**

अउ बेसी दिन नाही लोबऊल निकट होइब देखा, पंचसखा माने कही जाइछन्ति पुराणे होइछि लेखा।

अर्थात - अर्थात 8 को 3 से गुना करेंगे तो 24 आता है। उस अंक में चीन के सैनिक भारत पर हमला करेंगे। अच्युतानंद दास का वाणी पूर्ण रूप से सत्य हो जाएगा और सभी सैनिक आपस में युद्ध करेंगे। उस समय जब समस्त वैज्ञानिक यंत्र अचल हो जाएंगे उस वक्त संसार के बड़े से बड़े वैज्ञानिकों की बुद्धि काम नही करेगी, वो

बेतुके बात करने लगेंगे, वो बातें तो बहुत करेंगे पर कर कुछ नही पाएंगे। जिन देशों को खुद पर तकनीकी उन्नति के कारण गर्ब या अहंकार है, वो अमेरिका हो या इंग्लैंड या फिर चीन या कोई भी बड़े देश उन सभी का अहंकार चकनाचूर हो जाएगा वो समझ नही पाएंगे क्या करें, उन्हें किसी भी प्रकार से सुरक्षा नही मिल पाएगी।

📴 **बलदेउ रे पानी पसिन जे जिब, नीलचक्र परे पानी नीलचक्र परे ढेऊं जे उठीबे।**

केते भक्त माने होइबेटी मेड़, वैज्ञानिक यन्त्र सबु होइबे अचड़॥

जिस समय पूरी श्री मंदिर के अन्दर समुद्र का पानी घुस जाएगा उस समय नीलचक्र से भी ऊँची लहरे उठेगी | इस समय सारे भक्त एक जगह पर एकत्र होंगे, उसी समय सभी वैज्ञानिक यंत्र अचल (बंद) हो जाएंगे।

📴 **बैज्ञानिको यंत्र अचल होईबे हरि चक्र घुरू थिबो।**

कल कारखाना शून्ये भांगी जिबो गुप्ते केही न जाणीबो॥

अर्थात बैज्ञानिक यंत्र काम नहीं करेंगे हरि चक्र घुम रहा होगा, कल कारखाने नष्ट हो जाऐंगे गुप्त रूप से अर्थात कारखानों में आग लगने का कारण पता नहीं चलेगा।

📴 **निकट रे गोड़ चहड़, बैज्ञानिक यंत्र अचल।**

अनंत जुग टी होइब, अच्युत कामना पुरिब॥

जल्द ही युद्ध लगेगा, वैज्ञानिक यंत्र आंचल हो जाएंगे और अनंत युग का स्वामी अच्युतानंद दास जी का सपना पूरा होगा

📴 **"चौबीस रूं लेखा यंत्र उलटी पड़ीबो,**

कम्प्यूटरो मोबाइलो कामो न जे देबो,

कोलो कारोखाना सबू भांगी ण जे जीबो,

[भविष्य मालिका]

स्कूलो कोलेजो कोषागारो बंदो होई जीबो."

अर्थात:- 24 अंक से कंप्यूटर और इलेक्ट्रोनिक उपकरण सब बंध पड़ जायेंगे। मोबाइल कुछ काम नहीं आएगा। 600 साल पूर्व पंचसखाओ ने कंप्यूटर और मोबाइल, स्कूल और कॉलेज के बारे में भी बता दिया था।

वाहन, कारखाने सब टूट पड़ेंगे यानी काम नहीं कर पाएंगे। स्कूल, कॉलेज, बैंक सब बंध हो जायेंगे।

सूर्य पच्छिम से उदय होगा

आनेवाले समय में पृथ्वी की धुरी बदल जायेगी। जो आज पूरब है वह पच्छिम हो जायेगा।सूर्य देव भी पच्छिम से उदय होंगे। ऐसा सम्भवतः लंजा नक्षत्र के टकराने के कारण या होने वाले महाभूकम्प के कारण हो सकता है।

■ सूर्यता राति रे उदय हेब

पच्छिम दिग रे जान।

युग शेष पक्षी ये कथा

देखिबु निश्चय यहु प्रमाण।

➡ सूर्य रात में उदय होगा पच्छिम दिशा से युग के शेष समय मे गरुड़ तुम निश्चित ही यह प्रमाण देखोगे।

➡भविष्य मालिका के अनुसार कलयुग के शेष समय मे सूर्य रात को उदय होगा, वह भी पच्छिम दिशा से।

भविष्य मालिका

अभी सूरज पूरब से निकलता है लेकिन आने वाले समय में सूरज पच्छिम से उगेगा।

कितने लोग बचेंगे

पूज्य पंडित काशीनाथ मिश्र जी के अनुसार महाविनाश के बाद पृथ्वी कि कुल आबादी सिमट के 64 करोड़ तक रह जायेगी। उनमें से 33 करोड़ भारत में बचेंगें और बाकी के 31 करोड़ पूरे विश्व में।

🟧 **"अर्ध रु अर्धे मरिबे भरत बरसारे। सबु राज्य सुन्य हेब युद्ध गणारे।"**

अर्थात आधा का आधा मरेंगे भारत में। सभी राज्य सुन हो जायेंगे।

इसका मतलब है कि अगर हम अभी विचार करें तो भारत की जनसंख्या 1.4 अरब है, फिर 1.4 बिलियन का आधा 0.7 बिलियन (70 करोड़) और फिर से आधा 0.35 बिलियन (35 करोड़) होता है, यह महान संत अच्युतानंद ने अपने ग्रंथ "भविष्य मालिका" में लिखा

है। अत: शेष 35 करोड़ की जनसंख्या के जीवित रहने की आशा है, तथापि भारत में केवल 33 करोड़ ही जीवित रहेंगे, जो सत्ययुग के मनुष्यों की भाँति हमारे धर्म/धर्म के वैदिक सिद्धान्तों का पालन करने वाले हैं।

🟧 **"पृथिबि रु नाश हेबे तिनि भाग लोका। चतुर्थ भाग रु रहिबति अबसेष",**

यानी पूरी मानव आबादी का लगभग तीन अनुपात पृथ्वी से समाप्त हो जायेगा।

बचाव के उपाय

---

1. मांस-मदिरा जैसी तामसिक चिजों का सेवन करना तुरन्त छोड़ दें। भविष्य मालिका में भी मांस भक्षण करने वालों के लिये बहुत बुरा लिखा है। अगर आप खूब पूजा पाठ करते है नाम जाप करते है। और मांस भी खाते है तो आपको सतर्क हो जाना चाहिए,

भविष्य मालिका

इसलिये सुधर जाये। आप खुद पढ़िये क्या लिखा है मांस खाने वालों के बारे में।

👉**हर चंडी नर चंडी   दक्षिण चंडी जाणो।**
उग्र चंडी कटक चंडी अष्ट चंडी जे प्रमाणो।।
👉**एमाने बहुतो दिनो छंति उपोवासो।**
खाईबे बोली कलि रे शुद्धो नोरो मांसो।।
👉**नोरो मांसो देबे बोली तांकू नारायणो।**
द्वापर युगो रूं साखी रखी छंति प्रमाणो॥

अष्ट चंडी प्रमाण हैं एक वचन का, कौन से वचन का आगे संत अचुतानंद उल्लेख करते हैं। ये अष्ट चंडीयां बहुत दिनों से उपवास में हैं और इस आशा से द्वापर युग से प्रतीक्षा कर रही हैं कि कलयुग में इन्हें शुद्ध मानव मांस खाने को मिलेगा। अर्थात शुद्ध नर मांस अष्ट चंडीयों को देने के लिए नारायण (श्रीकृष्ण) ने

द्वापर युग से इन चंडीयों को धरती पर संहार करने के लिए स्थापित करके रखा है।

आप सोच रहे होंगे कि ये शुद्ध मांस क्या होता है? यह नीचे की पंक्ति से साफ हो जाता है।

■ थूके मद भक्ष्य करिण से मुख्य नागान्तो पथरे थिबे छटको नाटको करिण उच्चाटो अकर्म करी करिबे सुद्ध सोणित माँसोटे ताहांकर कारणों लोभिबे नाही तुम्भे माहामाई आसा रखीथिब तेतिकी बेलू कुचाहिँ।

जो बैष्णव भक्त धर्म में रहकर नीति धारा का अवलंबन करेंगे। इसके साथ ही मॉस का भक्षण भी करेंगे वो सभी भक्त कलियुग के अंत में तुम्हारे लिए शुद्ध और पवित्र माँस होंगे। वो सत्ययुग को भी नही जाएंगे। उन्ही लोगों का तुम संहार करोगी और इस तरह द्वापर युग की तुम्हारी इच्छा पूर्ण होगी।

[भविष्य मालिका]

■ मंत्र-जंत्र बुझी नवधा भकती है जिसे करुण थिबे माछ माँसो सुखुआ पखाल खाई द्वादस चिता काटिबे।

मालिका की यह सभी पंक्तियां वैष्णब धर्म के सभी भक्तों के लिए नही है। बल्कि केवल उन भक्तों के लिए है जो वैष्णब धर्म में रहते हुए मंत्र-यंत्र, पूजा विधि व नवधा भकती में भी रहेंगे तथा चंदन तिलक लगाएंगे और साथ ही साथ मछली व माँस और अंडे का सेवन करेंगे। हर तरह के अभक्ष्य खाएंगे और भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति भी करेंगे।

2. सत्य, प्रेम, दया, क्षमा, और शांति को अपनाये ये सनातन धर्म के 5 जरूरी अंग है।

3. नित्य प्रतिदिन श्रीमद्भागवत माहापुराण को पढ़े। एक पेज ही पढ़े लेकिन प्रतिदिन पढ़े।

4. अपने इष्ट देवता या राम, कृष्ण, शिव आप जिन्हें ज्यादा मानते है उनका नाम जाप मन में करते रहें।

5. गलत कार्य, या गलत चीज़ों से दूरी बना ले। और केवल अच्छे कार्यो में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें।

6. अपने आप को और परिवार को बचाने के लिये विभिन्न परिस्थितियों में उपायों के बारे में विचार करें। जैसे कि भूकम्प के समय क्या करोगे, भुखमरी से बचने के लिये क्या करना होगा, सुनामी से बचने के लिये क्या सही रहेगा इत्यादि। भविष्य मालिका ग्रुप से जुड़ सकते है और यह सब बात कर सकते है।

मालिका को और जानने के लिये स्रोत

भविष्य मालिका ग्रंथ के तथ्यों को और अधिक जानने के लिये यहाँ कुछ अच्छे लिंक्स शेयर कर रहा हूँ।

YouTube

1. कल्कि अवतार (सुधर्मा महासंघ)
2. रहस्मयी ओड़िशा

Telegram

1. भविष्य मालिका (इस ग्रुप में हम लोग मालिका की बाते एक दूसरे के साथ बाटते है। और नयी चीजें सीखते है। जरूर जॉइन करें।)
2. भविष्य मालिका और युग परिवर्तन रिसर्च (इस चैनल में आपको ढेर सारी मालिका और युग परिवर्तन से जुड़ी जानकारी मिल जायेगी जो कि unbiased है।)

Facebook

1. भविष्य मालिका वाणी

2. [Bhavishya Malika]



[भविष्य मालिका]